रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-29102020-222820
CG-DL-E-29102020-222820

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3425] नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 28, 2020/कार्तिक 6, 1942
No. 3425] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 28, 2020/KARTIKA 6, 1942

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 2020

का.आ. 3879(अ).—प्रारुप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 5646 (अ), तारीख 30 अक्टूबर, 2018, द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 30 अक्टूबर, 2018, को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, उक्त प्रारुप अधिसूचना के प्रत्युतर में व्यक्तियों और पणधारियों से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केंद्रीय सरकार द्वारा सम्यक रूप से विचार किया गया था;

और, कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (के.बी.आर) राष्ट्रीय उद्यान तेलंगाना राज्य के हैदराबाद जिले में, हैदराबाद महानगर में घनी आवासीय आबादी और व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1.42 वर्ग किलोमीटर है;

और, कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (के.बी.आर) राष्ट्रीय उद्यान हैदराबाद की तेजी से विकसित हो रहे शहर के लिए एक विशाल कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है और जो दक्कन के पठार की समृद्ध जैव विविधता और अद्वितीय चट्टान संरचनाओं, वनस्पति, जीवजन्तु के अंतिम अवशेष का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें 600 से अधिक पौधों की प्रजातियां, 133 पक्षियों की प्रजातियां, 20 स्तनपायी प्रजातियां, 20 सरीसृपों और उभयचरों की प्रजातियां शामिल हैं। मुख्य पौधें प्रजातियों में सैंडलवुड *(संतालुम अल्बम)*, टेक (*टेक्टोना ग्रांडिस*), नीम, कैशिया फिस्तुला, फिकस स्पा, अकैशिया स्पा, कैशिया स्पा., बुटेया स्पा, ज़िज़िफस स्पा, आदि हैं। जबकि राष्ट्रीय उद्यान के मुख्य जीवजन्तु में जंगली बिल्ली (फेलिस चाउस), खरगोश, साही, सिवेट, साल, चमगादड़, कोबरा, पायथन, लाल सांप, स्टार कछुआ, गेक्कोस, मॉनिटर लिर्जाड, मयूर, तीतर, बटेर, उल्लू, आदि और तितलियों और अकशेरूकियों की विभिन्न प्रजातियां हैं;

और, कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (के.बी.आर) राष्ट्रीय उद्यान के आसपास हैदराबाद न तो कोई वन क्षेत्र है और ना ही कोई खुला क्षेत्र है और केवल हैदराबाद शहरी विकास प्राधिकरण (एच एम डी ए) के द्वारा विकसित 25 से 35 मीटर चौड़ा पैदल रास्ता है;

और, कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं पारिस्थितिकी पर्यावरणीय से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, जैव विविधिता की दृष्टि सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इस अधिसूचना में इसके पश्चात पर्यावरण अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेलंगाना राज्य के हैदराबाद जिले के कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के चारों ओर 3 मीटर से 29.80 मीटर तक विस्तारित क्षेत्र को कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमाएं.-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के चारों ओर 3 मीटर से 29.80 मीटर तक विस्तृत है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 0.0582 वर्ग किलोमीटर है।

(2) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के सीमांकन को दर्शाते हुए कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के मानचित्र **उपाबंध-I क, उपाबंध-I ख** और **उपाबंध-I ग** के रूप में उपाबद्ध है।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची **उपाबंध-II** की सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है।

(4) कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान (के.बी.आर) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत कोई आवास और ग्राम नहीं है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए हैं, के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरुप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा भी तैयार होगी ।

(3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी.-

(i) पर्यावरण;

(ii) वन और वन्यजीव;

(iii) कृषि;

(iv) राजस्व;

(v) शहरी विकास;

(vi) पर्यटन;

(vii) ग्रामीण विकास;

(viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;

(ix) नगरपालिका;

(x) पंचायती राज; और

(xi) लोक निर्माण विभाग।

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में, जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों, का संवर्धन करेगी ।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(6) आंचलिक महायोजना विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं के ब्यौरों से अनुसमर्थित मानचित्र के साथ सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यकंन करेगी।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और पैरा-4 में सारणी में सूचीबद्ध प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना प्रादेशिक विकास योजना की सह विस्तारी होगी ।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कार्यों को करने के लिए निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज तैयार करेगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.–** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, उद्यान कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा:

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर उपर्युक्त खंड में भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्नों प्रयोजनों के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन निगरानी समिति की सिफारिश पर और यथा लागू और प्रादेशिक नगर योजना अधिनियम और केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्य नियमों तथा विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, और इस अधिसूचना के उपबंधों द्वारा स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जैसे-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भण्डार और स्थानीय सुविधाएं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन जिसके अन्तर्गत गृह वास सम्मिलित है; और

(v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संवर्धित क्रियाकलाप:

परंतु यह और कि प्रादेशिक नगर योजना विधि और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अधीन अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई गलती, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार ठीक होगी और उक्त गलती के सुधार की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि गलती के सुधार में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा;

(ख) वनीकरण तथा वास जीर्णोद्धार क्रियाकलापों सहित अनप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोतों.**- आचंलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक झरनों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के बारे में जो ऐसे क्षेत्रों के लिए अहितकर हो ऐसी रीति से मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए जाएंगे।

(3) **पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना के एक घटक के रूप में होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जाएगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित होंगे, अर्थात्:-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नये वाणिज्यिक होटल और रिजॉर्ट के सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे:

परंतु, यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिजॉर्ट का स्थापना केवल पूर्व परिभाषित और नामनिर्दिष्ट क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिकी–पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देते हुए (समय-समय पर यथा संशोधित) जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा और निगरानी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नये होटल या रिसोर्ट या वाणिज्यिक स्थापना का संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

(4) **नैसर्गिक विरासत.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और विरासत संरक्षण योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में परिरक्षण और संरक्षण के लिए तैयार की जाएगी ।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, स्थापत्य, सौंदर्यपूरक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान और उनके संरक्षण के लिए विरासत योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में तैयार की जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण**.- पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण और निवारण का अनुपालन किया जाएगा।

(7) **वायु प्रदूषण**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, साधारणों मानकों के उपबंधों के अनुसार पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 के अधीन प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थो का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा.-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के अधीन प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर अधिसूचना सं.सां.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(13) **ई–अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित ई–अपशिष्ट प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **यानीय यातायात.-** यातायात की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध सम्मिलित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति सुसंगत अधिनियमों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय क्रियाकलापों के अनुपालन को निगरानी करेगी।

(15) **यानीय प्रदूषण.-** लागू विधियों के अनुपालन में वाहन प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण किया जाएगा। स्वच्छक ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.-** (i) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई नए प्रदूषित उद्योगों की स्थापना की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ii) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्गदर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो; पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों को संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार होगा:-

(क) आंचलिक महायोजना पहाड़ी ढलानों पर क्षेत्रों का संकेत होगा जहां किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी;

(ख) कटाव के एक उच्च डिग्री के साथ विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों या ढलानों पर किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों जिसके अन्तर्गत तटीय विनियमन जोन, 2011 और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 और अन्य लागू विधियां के जिसमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53), सम्मिलित हैं और किये गये संशोधनों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्रम सं. **(1)**	**क्रियाकलाप** **(2)**	**वर्णन** **(3)**
	अ. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां ।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होंगी; (ख) खनन प्रचालन, 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं. 202 में टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश 4 अगस्त, 2006 और 2012 की रिट याचिका (सिविल) सं. 435 में गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में होगा ।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि, आदि) उत्पन करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी: परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों,

		पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्यागों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	बृहत जल विद्युत परियोजना की स्थापना ।	प्रतिषिद्ध।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	प्रतिषिद्ध।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण ।	प्रतिषिद्ध।
6.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	प्रतिषिद्ध।
7.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग ।	प्रतिषिद्ध।
8.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
9.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	प्रतिषिद्ध।
आ. विनियमित क्रियाकलाप		
10.	वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्टों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के परे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें से, जो भी निकट हो सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरुप होगा।
11.	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु यह कि स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने उपयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी: परंतु यह कि गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे । (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से परे यह आंचलिक महायोजना के अनुसार

		विनियमित होंगे ।
12.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्धशाला, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन ।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अनुसार अनुज्ञात किया जाएगा।
13.	फर्मों, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुओं और कुक्कुट फार्मों की स्थापना ।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
14.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग ।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
15.	वृक्षों की कटाई ।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी । (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होगे ।
16.	वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
17.	विद्युत और संचार टावरों का परिनिर्माण और केबलों के बिछाए जाने और अन्य बुनियादी ढांचे ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे (भूमिगत केबल के बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जा सकेगा)।
18.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित अवसंरचनाएं ।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों, विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।
19.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण ।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों, विनियमनों तथा उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।
20.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
21.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
22.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन ।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे ।
23.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्स्राव के निस्सारण से

	निस्तारण ।	बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुन:चक्रण और पुन:उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्स्राव के पुनर्चक्रण या प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा।
24.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
25.	खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि कृषि और अन्य उपयोग के लिए ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
26.	ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन और जैव चिकित्सा अपशिष्ट ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
27.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
28.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
29.	वाणिज्यिक सूचना पट्ट और होर्डिंग का प्रयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
	इ. संवर्धित क्रियाकलाप	
30.	वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को अंगीकृत करना ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग ।	बायोगैस, सौर प्रकाश, इत्यादि को बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	कृषि वानिकी ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	निम्नीकृत भूमि या वन या वास की बहाली ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
40.	पर्यावरणीय जागरुकता ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. निगरानी समिति- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के अधीन इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी निगरानी के लिए निगरानी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात्:-

क्र.सं.	**निगरानी समिति का गठन**	**पदाभिधान**
(i)	जिला मजिस्ट्रेट और कलक्टर, हैदराबाद	अध्यक्ष, पदेन;
(ii)	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि	सदस्य;

(iii)	गैर-सरकारी संगठन (विरासत संरक्षण सहित पर्यावरण के क्षेत्र में काम करना) के एक प्रतिनिधि को राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाना	सदस्य;
(iv)	तेलंगाना के वन और पर्यावरण विभाग द्वारा नामनिर्दिष्ट एक प्रतिनिधि	सदस्य;
(v)	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाने वाले जैव विविधता में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(vi)	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाने वाला पारिस्थितिकी और पर्यावरण में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(vii)	क्षेत्र के वरिष्ठ शहरी योजनाकार या मुख्य शहरी नियोजक या नगर योजनाकार-सदस्य	सदस्य;
(viii)	जिला वन अधिकारी, हैदराबाद	सदस्य-सचिव।

6. निर्देश–निबंधन.- (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुन: गठन तक के लिए होगा और तत्पश्चात निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) उन क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित हैं, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, सिवाय इसके जो पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, निगरानी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केंद्रींय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे अनुसूची में क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक के अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को उपाबंध III में संलग्न प्रोफार्मा में उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

7. अतिरिक्त उपाय.- इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. उच्चतम न्यायालय, आदि आदेश.- इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अध्यधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/54/2014-ईएसजेड-आरई]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध-Iक

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र

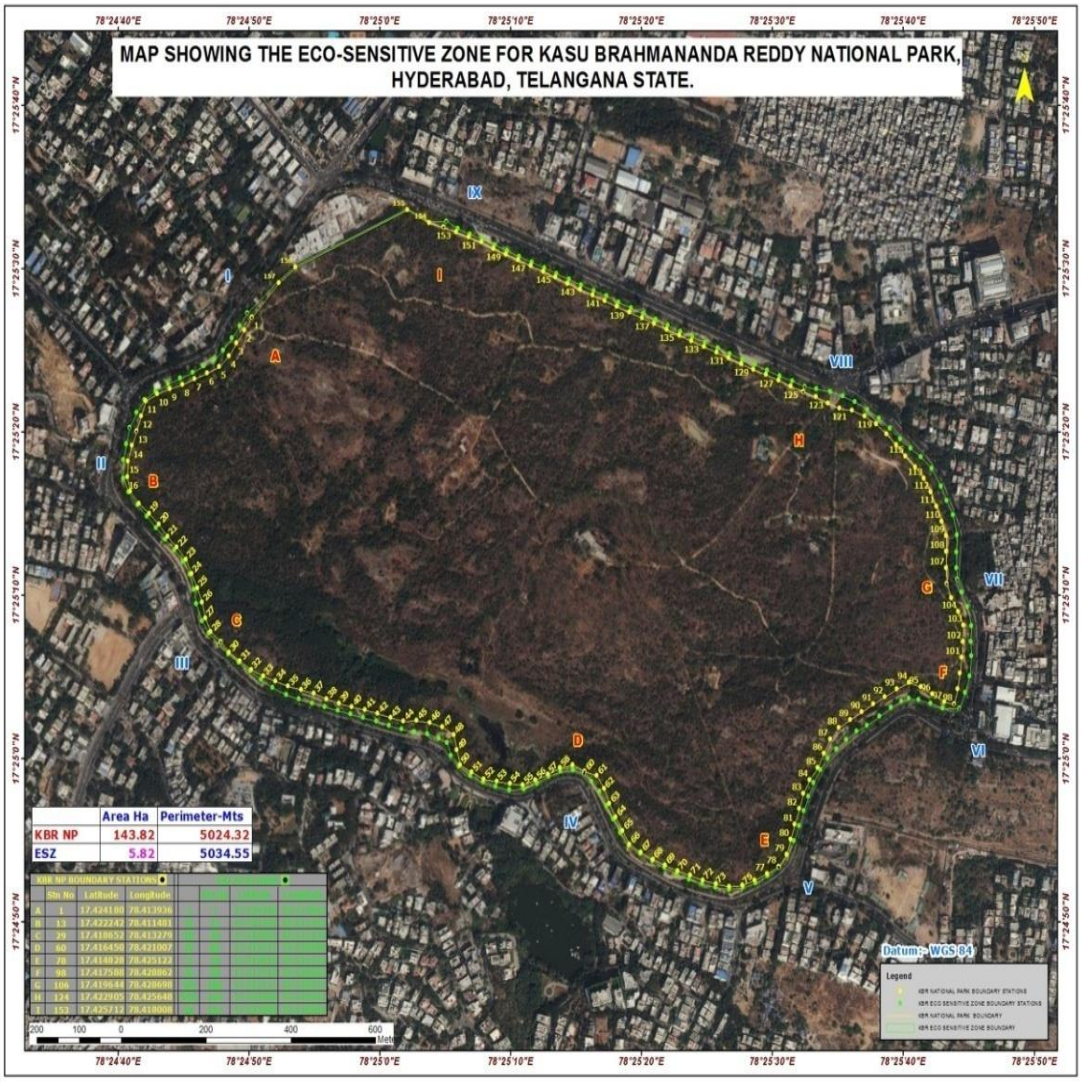

उपाबंध-Iख

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

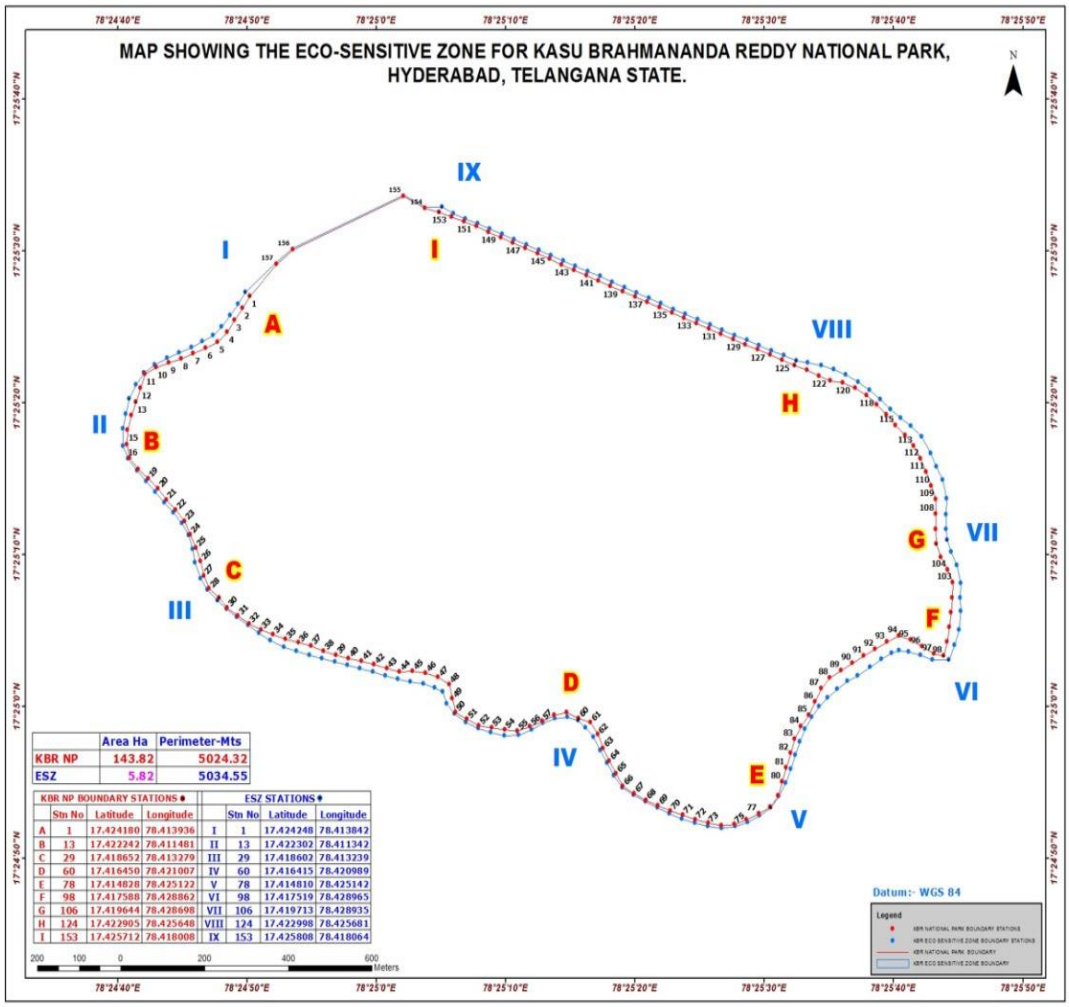

उपाबंध-Iग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

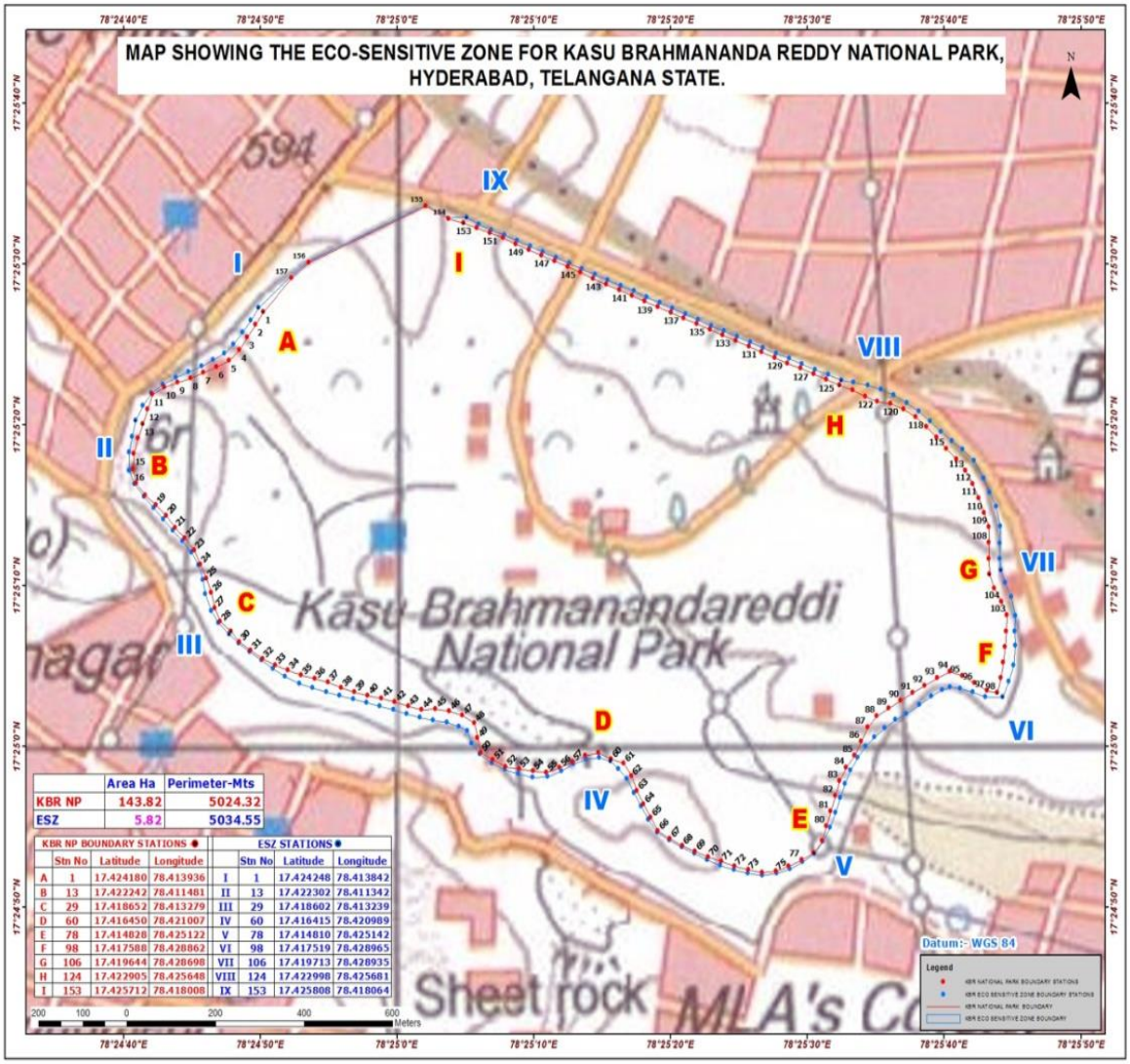

उपाबंध-II

सारणी क: कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	अक्षांश	देशांतर
1	17.4241801	78.41393621
2	17.423959	78.41377303
3	17.423738	78.41360985
4	17.423517	78.41344667
5	17.4233343	78.41323886
6	17.4232241	78.41298424
7	17.4231282	78.41272041

8	17.4230329	78.41245634
9	17.4229542	78.41218634
10	17.4228733	78.41191709
11	17.4227506	78.4116754
12	17.422495	78.41158209
13	17.4222421	78.41148095
14	17.4219875	78.41138499
15	17.4217302	78.41129847
16	17.4214596	78.41128485
17	17.4212116	78.41134705
18	17.4210114	78.4115367
19	17.4208319	78.41174771
20	17.4206546	78.41196113
21	17.4204475	78.41213922
22	17.4202565	78.41233855
23	17.4200592	78.41252826
24	17.4198156	78.41265169
25	17.4195716	78.41277434
26	17.4193199	78.41287805
27	17.4190568	78.41294177
28	17.4188192	78.41305744
29	17.4186517	78.41327873
30	17.4184707	78.41344719
31	17.4183293	78.413681
32	17.4181801	78.41391648
33	17.4180712	78.41417225
34	17.417979	78.41443693
35	17.4178923	78.41470424
36	17.4178298	78.41497755
37	17.4177716	78.41525279
38	17.4176833	78.41551935
39	17.4176033	78.41578869
40	17.417545	78.41605998
41	17.4174931	78.41633527
42	17.4174276	78.41660907
43	17.4173552	78.41688094

44	17.4173009	78.41715537
45	17.4173123	78.4174367
46	17.4172715	78.41771437
47	17.4171967	78.41798556
48	17.4170693	78.41822163
49	17.4168074	78.41828775
50	17.4165567	78.41835832
51	17.4164297	78.41860761
52	17.4163143	78.41886121
53	17.4162734	78.4191366
54	17.4162348	78.41941444
55	17.4162131	78.419694
56	17.4162988	78.41996108
57	17.4163991	78.42022216
58	17.4165119	78.42047794
59	17.4165567	78.42075401
60	17.4164496	78.42100652
61	17.4163763	78.42126534
62	17.4161492	78.42141757
63	17.415902	78.42153308
64	17.4156627	78.42166341
65	17.415431	78.42180936
66	17.4152063	78.42195973
67	17.4150673	78.42220199
68	17.4149479	78.42245399
69	17.414851	78.42271751
70	17.4147544	78.42298117
71	17.4146765	78.42325141
72	17.4145927	78.42351978
73	17.4145277	78.42379357
74	17.4144878	78.42407188
75	17.4145085	78.42435312
76	17.4145981	78.42461673
77	17.4147053	78.42487592
78	17.4148281	78.42512182
79	17.4150361	78.4252903

80	17.4152921	78.42538254
81	17.4155498	78.42546977
82	17.4158067	78.42555921
83	17.416062	78.42565353
84	17.4162984	78.42578605
85	17.4165096	78.4259595
86	17.4167495	78.42609063
87	17.4169897	78.42622097
88	17.4171843	78.42640518
89	17.4173194	78.4266497
90	17.4174534	78.42689503
91	17.4175875	78.42714024
92	17.4177192	78.42738681
93	17.4178493	78.42763436
94	17.4179563	78.42789361
95	17.4178846	78.42814541
96	17.417759	78.42839442
97	17.4176339	78.42864375
98	17.4175881	78.42886203
99	17.4178512	78.42892962
100	17.4181183	78.42897573
101	17.4183866	78.42901443
102	17.4186569	78.42903349
103	17.4189269	78.42905658
104	17.4191646	78.42894358
105	17.4193925	78.42879093
106	17.4196436	78.42869765
107	17.4199124	78.4286806
108	17.4201833	78.42868523
109	17.4204542	78.42868854
110	17.4207035	78.42858959
111	17.4209515	78.42847595
112	17.4211985	78.42836016
113	17.4214301	78.42821504
114	17.4216296	78.42802729
115	17.421812	78.4278189

116	17.4220035	78.42761923
117	17.4221923	78.4274169
118	17.4223626	78.42719975
119	17.4224923	78.42695194
120	17.4225947	78.4266914
121	17.4226282	78.42641841
122	17.4227148	78.4261752
123	17.4228184	78.42591474
124	17.4229053	78.42564765
125	17.4229998	78.42538317
126	17.4230981	78.42512019
127	17.4231941	78.42485629
128	17.4232905	78.42459254
129	17.4233866	78.42432869
130	17.4234846	78.42406558
131	17.4235837	78.42380302
132	17.4236804	78.42353956
133	17.4237772	78.42327597
134	17.4238758	78.42301311
135	17.42397	78.4227485
136	17.4240626	78.42248339
137	17.4241596	78.42221988
138	17.4242558	78.42195607
139	17.4243532	78.42169269
140	17.4244579	78.42143343
141	17.4245528	78.42116998
142	17.4246518	78.42090749
143	17.4247504	78.42064466
144	17.4248528	78.42038338
145	17.4249525	78.42012096
146	17.4250507	78.41985828
147	17.4251514	78.4195963
148	17.4252513	78.41933398
149	17.4253496	78.41907101
150	17.4254497	78.41880875
151	17.4255385	78.41854248

152	17.4256264	78.41827569
153	17.4257115	78.41800838
154	17.425788	78.417699
155	17.426001	78.417243
156	17.425027	78.414855
157	17.424765	78.414502

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	अक्षांश	देशांतर
1	17.42424769	78.41384223
2	17.42403067	78.41367283
3	17.42382327	78.41351195
4	17.4236183	78.41333032
5	17.42345148	78.41314002
6	17.4233422	78.41291316
7	17.42323519	78.41267296
8	17.42313593	78.41241462
9	17.42303878	78.41215246
10	17.4229186	78.4118866
11	17.42277337	78.41166009
12	17.42255889	78.41148756
13	17.42230155	78.41134171
14	17.42202039	78.41126704
15	17.42174876	78.41120493
16	17.42142719	78.41120721
17	17.42119678	78.41131163
18	17.42098183	78.41150445
19	17.42078651	78.41169914
20	17.42059305	78.41189523
21	17.42040097	78.41209008
22	17.42020914	78.41228686
23	17.42001438	78.41247118
24	17.41979455	78.41261526
25	17.41954863	78.41270679
26	17.41929949	78.41275327
27	17.41901127	78.41287219
28	17.41879735	78.41302399

29	17.41860232	78.41323863
30	17.41844933	78.41342985
31	17.41830006	78.4136591
32	17.4181468	78.4138929
33	17.41800286	78.41412684
34	17.41786642	78.41436855
35	17.41774818	78.41466163
36	17.41767343	78.41493797
37	17.41760953	78.41521206
38	17.41754632	78.41548495
39	17.41748298	78.41575846
40	17.41742038	78.41602866
41	17.41735727	78.41630113
42	17.41729374	78.41657542
43	17.41723025	78.41684955
44	17.41716722	78.41712177
45	17.41711913	78.41738816
46	17.41707836	78.41766567
47	17.41701076	78.41791258
48	17.41693038	78.41807369
49	17.41670849	78.41816411
50	17.41652683	78.418337
51	17.41637623	78.4185823
52	17.41626816	78.41884522
53	17.41618747	78.41911565
54	17.41613238	78.41940424
55	17.41614438	78.41971564
56	17.41624416	78.41998897
57	17.41635924	78.42024112
58	17.41644145	78.42049156
59	17.4164733	78.42075552
60	17.4164154	78.42098919
61	17.41626959	78.42115282
62	17.41610078	78.4213263
63	17.41586429	78.42146234
64	17.41562966	78.42160832

65	17.41539215	78.42176588
66	17.41518372	78.42194409
67	17.41504306	78.4221894
68	17.41492379	78.42244118
69	17.41480937	78.42269873
70	17.41470127	78.42296059
71	17.4146065	78.42322956
72	17.41452891	78.42350422
73	17.41446854	78.42378531
74	17.41443867	78.42407503
75	17.41446637	78.42436552
76	17.41455013	78.42463989
77	17.41467059	78.42489687
78	17.41480961	78.42514249
79	17.41502166	78.4253142
80	17.41526038	78.42545322
81	17.41551663	78.42556915
82	17.41577295	78.42566157
83	17.41601871	78.42575569
84	17.41625004	78.42586966
85	17.41646872	78.42601321
86	17.41666351	78.42617774
87	17.41682579	78.42635157
88	17.41698448	78.42656436
89	17.41712368	78.42678266
90	17.41722701	78.42700192
91	17.41738142	78.42727707
92	17.41752975	78.42751529
93	17.41763964	78.42773928
94	17.41768723	78.42788971
95	17.4176652	78.42809452
96	17.41760856	78.42835952
97	17.41751656	78.42861712
98	17.41751924	78.42896452
99	17.41779219	78.42908735
100	17.41806926	78.42918929

101	17.41840308	78.42922597
102	17.41865682	78.42921504
103	17.41892445	78.4292171
104	17.41924765	78.42914011
105	17.4194983	78.42901617
106	17.41971339	78.42893466
107	17.41990932	78.42890127
108	17.42017288	78.42890817
109	17.42046367	78.42891329
110	17.42080942	78.42883495
111	17.42105603	78.42870321
112	17.42130229	78.42857649
113	17.42159742	78.42837749
114	17.42179431	78.42815057
115	17.42194928	78.42792719
116	17.42210746	78.42771149
117	17.42228577	78.42749137
118	17.42245196	78.42726176
119	17.4226042	78.42701946
120	17.42274263	78.42674374
121	17.42283373	78.42649003
122	17.42290412	78.42622108
123	17.422961	78.42593196
124	17.42299795	78.4256806
125	17.42308565	78.42541658
126	17.4231804	78.4251521
127	17.42327483	78.42488719
128	17.42336821	78.42462192
129	17.42346076	78.42435852
130	17.42355825	78.42409414
131	17.42365268	78.42382977
132	17.42374709	78.42356539
133	17.42384156	78.4233009
134	17.42393627	78.42303794
135	17.42403567	78.42277567
136	17.42413555	78.42251356

137	17.4242355	78.42225127
138	17.42433547	78.42198951
139	17.42443673	78.42172783
140	17.42453766	78.42146423
141	17.4246316	78.42120128
142	17.424728	78.42093776
143	17.42482451	78.42067408
144	17.42492096	78.42041023
145	17.42501674	78.42014591
146	17.42511123	78.41988162
147	17.42520801	78.4196185
148	17.42530793	78.41935617
149	17.42540634	78.41909291
150	17.42550632	78.41883087
151	17.42559447	78.41856641
152	17.42568897	78.41830832
153	17.42580759	78.4180636
154	17.425815	78.41471
155	17.426033	78.417243
156	17.425053	78.414843
157	17.424786	78.414483

उपाबंध-III

की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र:-

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें) ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार (पारिस्थितिकी संवेदी जोन वार)। विवरण उपाबंध के रुप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली क्रियाकलापों की संवीक्षा किए गए मामलों का सार । (विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें) ।
6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली क्रियाकलापों की संवीक्षा किए गए मामलों का सार । (विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें) ।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th October, 2020

S.O. 3879(E).—WHEREAS, a draft notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 5646 (E), dated the 30th October, 2018, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

AND WHEREAS, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the 30th October, 2018;

AND WHEREAS, objections and suggestions were received from persons and stakeholders in response to the aforesaid draft notification were duly considered by the Central Government;

AND WHEREAS, the Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park is located in a densely populated residential and commercial area in Metropolitan City of Hyderabad, in Hyderabad District in the State of Telangana with an area of 1.42 square kilometres;

AND WHEREAS, the said Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park acts as a vast carbon sink for the rapidly developing city of Hyderabad and stands as the last vestige of the flora, fauna and unique rock formations representing the rich bio-diversity of Deccan Plateau, which includes more than 600 plant species, 133 bird species, 20 mammal species, 20 species of reptiles and amphibians. The major plant species are sandalwood (*Santalum album*), teak (*Tectona grandis*), neem, *Cassia fistula, Ficus spp., Acacia spp., Cassia spp., Butea spp., Zizyphus spp*., etc. While major fauna of the National Park are jungle cat (*Felis chaus*), hare, porcupine, civets, pangolin, bats, cobra, python, rat snake, star tortoise, geckos, monitor lizards, peacock, partridges, quails, owls, etc. and various species of butterflies and invertebrates;

AND WHEREAS, neither forest area nor any open area is exists all around the Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park and only Walk Way Garden of a width of 25 to 35 meters developed by Hyderabad Metropolitan Development Authority (HMDA) is available as open space around the National Park;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of which are specified in paragraph 1, around the protected area of Kasu Brahmananda Reddy National Park as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 3 meters to 29.80 meters around the boundary of Kasu Brahmananda Reddy National Park, in Hyderabad District in the State of Telangana as the Kasu Brahmananda Reddy National Park Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –** (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 3 meters to 29.80 meters around the boundary of Kasu Brahmananda Reddy National Park and the area of the Eco-sensitive Zone is 0.0582 square kilometres.

   (2) The maps of the Kasu Brahmananda Reddy National Park demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IA, Annexure-IB** and **Annexure-IC.**

   (3) Lists of geo-coordinates of the boundary Kasu Brahmananda Reddy National Park and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure-II.**

   (4) There are no habitations or villages within the Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park Eco-sensitive Zone.

2. **Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-**(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State.

   (2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

(i) Environment;
(ii) Forest and Wildlife;
(iii) Agriculture;
(iv) Revenue;
(v) Urban Development;
(vi) Tourism;
(vii) Rural Development;
(viii) Irrigation and Flood Control;
(ix) Municipal;
(x) Panchayati Raj; and
(xi) Public Works Department.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use.– (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than those specified in clause part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as.-

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;

(iii) small scale industries not causing pollution;

(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and

(v) promoted activities given in paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case

and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism or eco-tourism.- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.

(e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) Discharge of effluents.- Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) Solid wastes.- Disposal and management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry

of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-Medical Waste.– Bio-Medical Waste Management shall be as under:-

(a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28th March, 2016.

(b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.– The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.– (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
A. Prohibited Activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
		the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses within the Eco-sensitive Zone. (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited.
6.	Commercial use of firewood.	Prohibited.
7.	Use of polythene bags.	Prohibited.
8.	Setting up of new saw mills and wood based industries.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
9.	Setting up of brick kilns.	Prohibited.
B. Regulated Activities		
10.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
11.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
		(1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents. Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
12.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
13.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporates and companies.	Regulated (except as otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
14.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the Competent Authority.
15.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
16.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce.	Regulated as per the applicable laws.
17.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
18.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules, regulations and available guidelines.
19.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules, regulation and available guidelines.
20.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
21.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
22.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
23.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
		shall be regulated as per the applicable laws.
24.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Open Well, Bore Well, etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity shall be strictly monitored by the appropriate authority.
26.	Solid waste management or Biomedical Waste Management.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
29.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
30.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
31.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
32.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
33.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
34.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light, etc. shall be actively promoted.
35.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
36.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
37.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
38.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
39.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
40.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

Sl. No.	Constituent of Monitoring Committee	Designation
(i)	District Magistrate and Collector, Hyderabad	Chairman, ex officio;
(ii)	Representative of State Pollution Control Board	Member;
(iii)	One representative of non-Governmental Organisation (working in the field of environment including heritage conservation) to be nominated by the State Government	Member;
(iv)	A representative nominated by the Forest and Environment Department of Telangana	Member;
(v)	An expert in Biodiversity to be nominated by the State Government	Member;
(vi)	An expert in Ecology and environment to be nominated by the State Government	Member;
(vii)	Senior Town Planners of the area or Chief Urban Planner or City Planner-Member	Member;
(viii)	District Forest Officer, Hyderabad	Member-Secretary.

6. Terms of reference.–(1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Monitoring Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under **paragraph 4** thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended as Annexure III.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. Additional measures.- The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. Orders of Supreme Court, etc.- The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/54/2014-ESZ-RE]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE-IA

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KASU BRAHMANDA REDDY (KBR) NATIONAL PARK ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

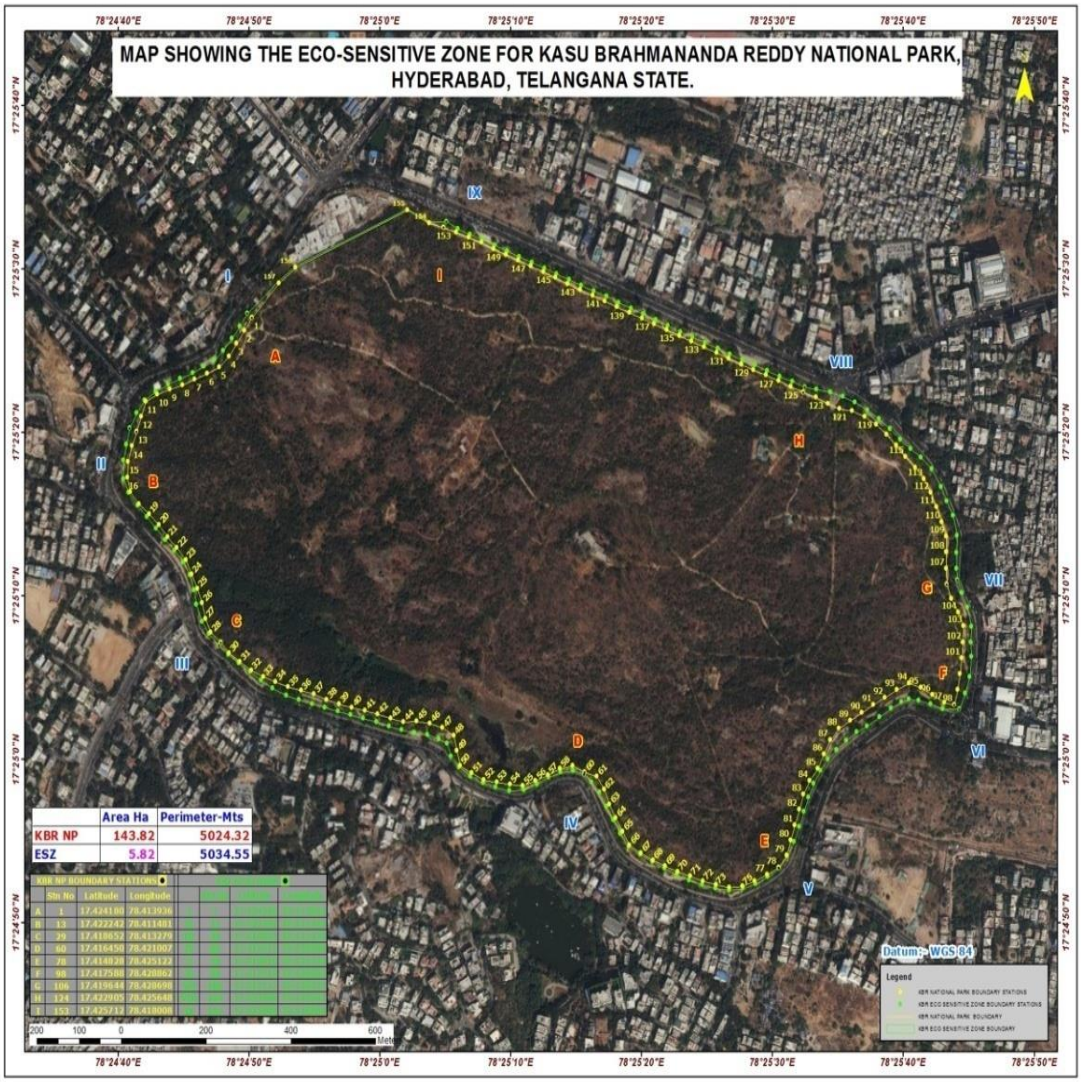

ANNEXURE- IB

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KASU BRAHMANDA REDDY (KBR) NATIONAL PARK ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

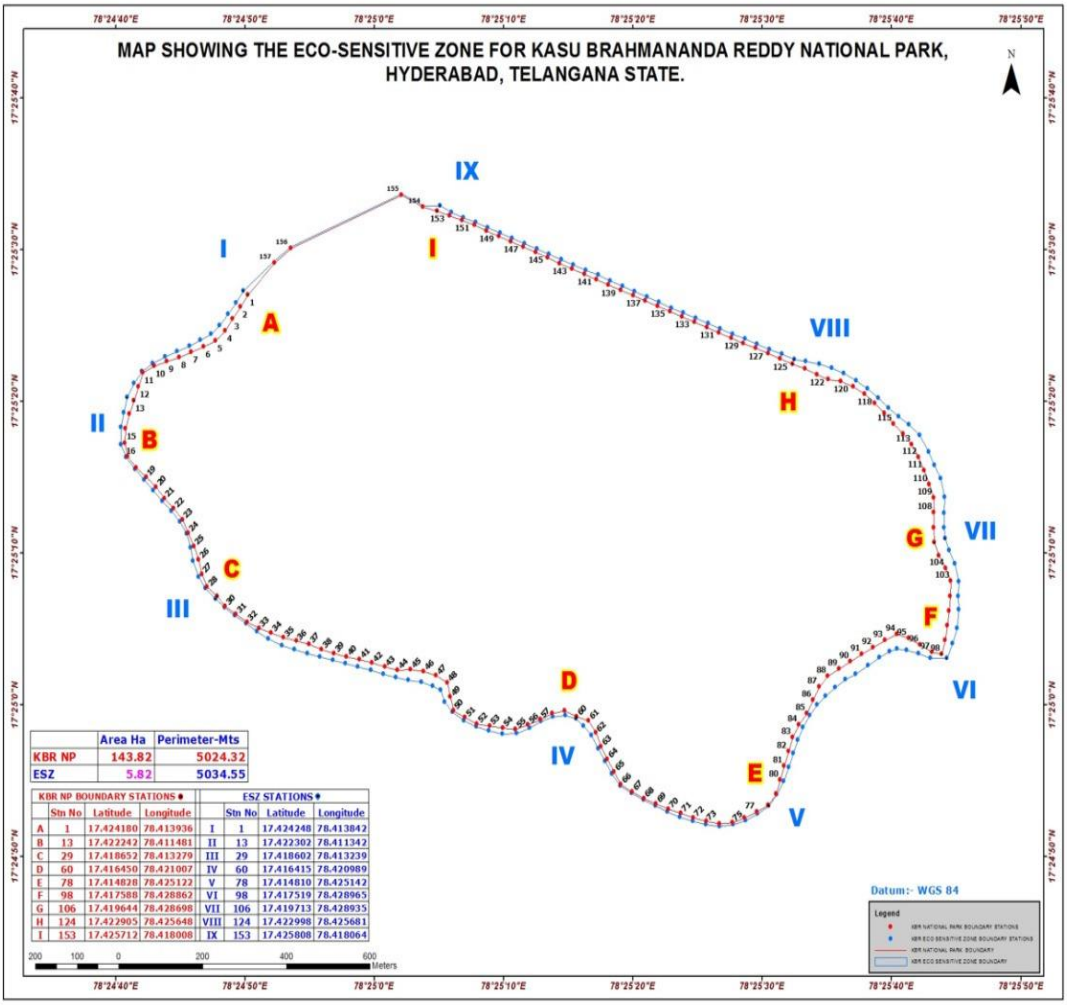

ANNEXURE- IC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KASU BRAHMANDA REDDY (KBR) NATIONAL PARK ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET

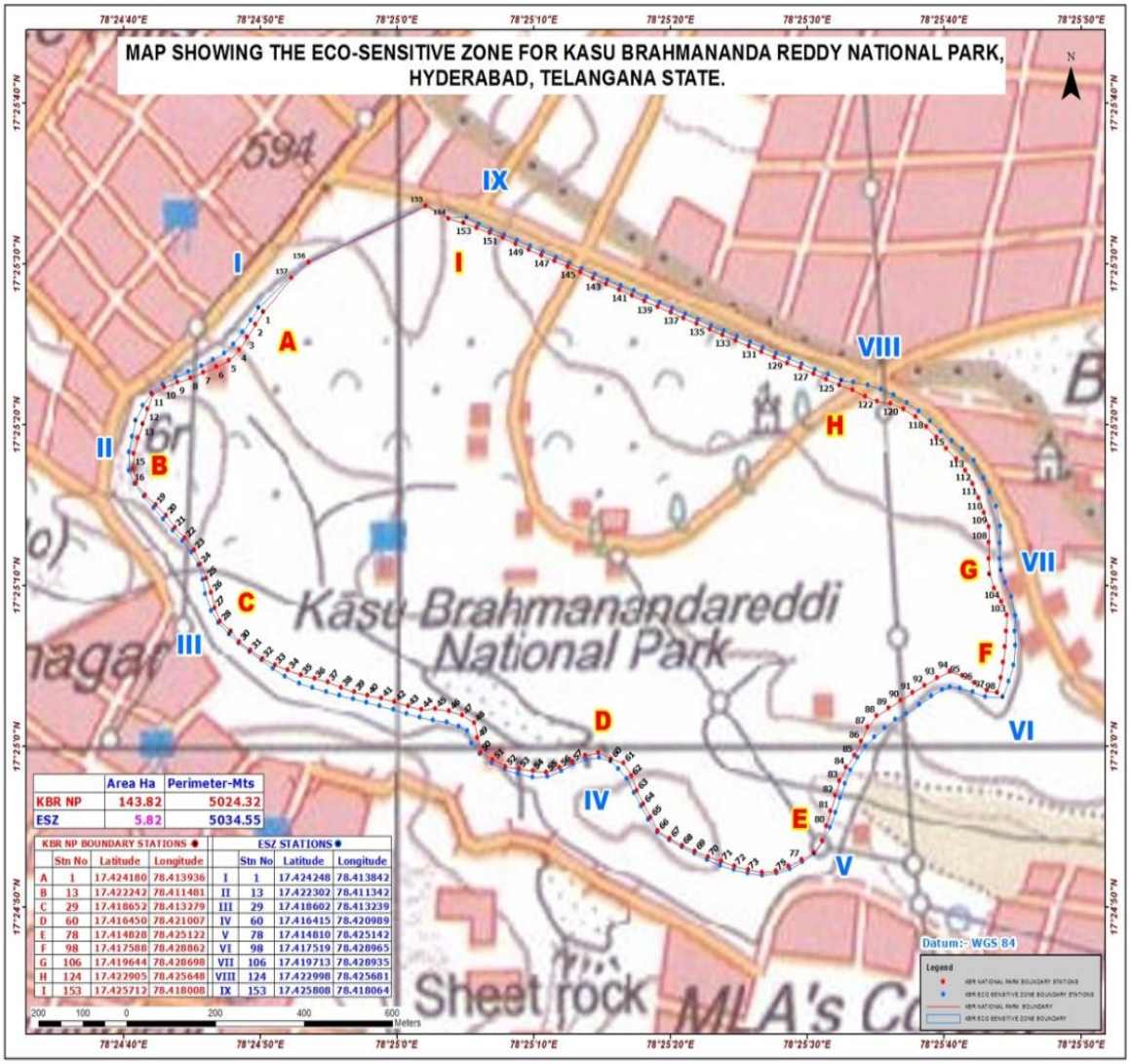

ANNEXURE-II

TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF KASU BRAHMANDA REDDY (KBR) NATIONAL PARK

Sl No.	Latitude	Longitude
1	17.4241801	78.41393621
2	17.423959	78.41377303
3	17.423738	78.41360985
4	17.423517	78.41344667
5	17.4233343	78.41323886
6	17.4232241	78.41298424

7	17.4231282	78.41272041
8	17.4230329	78.41245634
9	17.4229542	78.41218634
10	17.4228733	78.41191709
11	17.4227506	78.4116754
12	17.422495	78.41158209
13	17.4222421	78.41148095
14	17.4219875	78.41138499
15	17.4217302	78.41129847
16	17.4214596	78.41128485
17	17.4212116	78.41134705
18	17.4210114	78.4115367
19	17.4208319	78.41174771
20	17.4206546	78.41196113
21	17.4204475	78.41213922
22	17.4202565	78.41233855
23	17.4200592	78.41252826
24	17.4198156	78.41265169
25	17.4195716	78.41277434
26	17.4193199	78.41287805
27	17.4190568	78.41294177
28	17.4188192	78.41305744
29	17.4186517	78.41327873
30	17.4184707	78.41344719
31	17.4183293	78.413681
32	17.4181801	78.41391648
33	17.4180712	78.41417225
34	17.417979	78.41443693
35	17.4178923	78.41470424
36	17.4178298	78.41497755
37	17.4177716	78.41525279
38	17.4176833	78.41551935
39	17.4176033	78.41578869
40	17.417545	78.41605998
41	17.4174931	78.41633527
42	17.4174276	78.41660907
43	17.4173552	78.41688094
44	17.4173009	78.41715537
45	17.4173123	78.4174367
46	17.4172715	78.41771437
47	17.4171967	78.41798556

48	17.4170693	78.41822163
49	17.4168074	78.41828775
50	17.4165567	78.41835832
51	17.4164297	78.41860761
52	17.4163143	78.41886121
53	17.4162734	78.4191366
54	17.4162348	78.41941444
55	17.4162131	78.419694
56	17.4162988	78.41996108
57	17.4163991	78.42022216
58	17.4165119	78.42047794
59	17.4165567	78.42075401
60	17.4164496	78.42100652
61	17.4163763	78.42126534
62	17.4161492	78.42141757
63	17.415902	78.42153308
64	17.4156627	78.42166341
65	17.415431	78.42180936
66	17.4152063	78.42195973
67	17.4150673	78.42220199
68	17.4149479	78.42245399
69	17.414851	78.42271751
70	17.4147544	78.42298117
71	17.4146765	78.42325141
72	17.4145927	78.42351978
73	17.4145277	78.42379357
74	17.4144878	78.42407188
75	17.4145085	78.42435312
76	17.4145981	78.42461673
77	17.4147053	78.42487592
78	17.4148281	78.42512182
79	17.4150361	78.4252903
80	17.4152921	78.42538254
81	17.4155498	78.42546977
82	17.4158067	78.42555921
83	17.416062	78.42565353
84	17.4162984	78.42578605
85	17.4165096	78.4259595
86	17.4167495	78.42609063
87	17.4169897	78.42622097
88	17.4171843	78.42640518

89	17.4173194	78.4266497
90	17.4174534	78.42689503
91	17.4175875	78.42714024
92	17.4177192	78.42738681
93	17.4178493	78.42763436
94	17.4179563	78.42789361
95	17.4178846	78.42814541
96	17.417759	78.42839442
97	17.4176339	78.42864375
98	17.4175881	78.42886203
99	17.4178512	78.42892962
100	17.4181183	78.42897573
101	17.4183866	78.42901443
102	17.4186569	78.42903349
103	17.4189269	78.42905658
104	17.4191646	78.42894358
105	17.4193925	78.42879093
106	17.4196436	78.42869765
107	17.4199124	78.4286806
108	17.4201833	78.42868523
109	17.4204542	78.42868854
110	17.4207035	78.42858959
111	17.4209515	78.42847595
112	17.4211985	78.42836016
113	17.4214301	78.42821504
114	17.4216296	78.42802729
115	17.421812	78.4278189
116	17.4220035	78.42761923
117	17.4221923	78.4274169
118	17.4223626	78.42719975
119	17.4224923	78.42695194
120	17.4225947	78.4266914
121	17.4226282	78.42641841
122	17.4227148	78.4261752
123	17.4228184	78.42591474
124	17.4229053	78.42564765
125	17.4229998	78.42538317
126	17.4230981	78.42512019
127	17.4231941	78.42485629
128	17.4232905	78.42459254
129	17.4233866	78.42432869

130	17.4234846	78.42406558
131	17.4235837	78.42380302
132	17.4236804	78.42353956
133	17.4237772	78.42327597
134	17.4238758	78.42301311
135	17.42397	78.4227485
136	17.4240626	78.42248339
137	17.4241596	78.42221988
138	17.4242558	78.42195607
139	17.4243532	78.42169269
140	17.4244579	78.42143343
141	17.4245528	78.42116998
142	17.4246518	78.42090749
143	17.4247504	78.42064466
144	17.4248528	78.42038338
145	17.4249525	78.42012096
146	17.4250507	78.41985828
147	17.4251514	78.4195963
148	17.4252513	78.41933398
149	17.4253496	78.41907101
150	17.4254497	78.41880875
151	17.4255385	78.41854248
152	17.4256264	78.41827569
153	17.4257115	78.41800838
154	17.425788	78.417699
155	17.426001	78.417243
156	17.425027	78.414855
157	17.424765	78.414502

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

Sl No.	LATITUDE	LONGITUDE
1	17.42424769	78.41384223
2	17.42403067	78.41367283
3	17.42382327	78.41351195
4	17.4236183	78.41333032
5	17.42345148	78.41314002
6	17.4233422	78.41291316
7	17.42323519	78.41267296
8	17.42313593	78.41241462
9	17.42303878	78.41215246
10	17.4229186	78.4118866

11	17.42277337	78.41166009
12	17.42255889	78.41148756
13	17.42230155	78.41134171
14	17.42202039	78.41126704
15	17.42174876	78.41120493
16	17.42142719	78.41120721
17	17.42119678	78.41131163
18	17.42098183	78.41150445
19	17.42078651	78.41169914
20	17.42059305	78.41189523
21	17.42040097	78.41209008
22	17.42020914	78.41228686
23	17.42001438	78.41247118
24	17.41979455	78.41261526
25	17.41954863	78.41270679
26	17.41929949	78.41275327
27	17.41901127	78.41287219
28	17.41879735	78.41302399
29	17.41860232	78.41323863
30	17.41844933	78.41342985
31	17.41830006	78.4136591
32	17.4181468	78.4138929
33	17.41800286	78.41412684
34	17.41786642	78.41436855
35	17.41774818	78.41466163
36	17.41767343	78.41493797
37	17.41760953	78.41521206
38	17.41754632	78.41548495
39	17.41748298	78.41575846
40	17.41742038	78.41602866
41	17.41735727	78.41630113
42	17.41729374	78.41657542
43	17.41723025	78.41684955
44	17.41716722	78.41712177
45	17.41711913	78.41738816
46	17.41707836	78.41766567
47	17.41701076	78.41791258
48	17.41693038	78.41807369
49	17.41670849	78.41816411
50	17.41652683	78.418337
51	17.41637623	78.4185823

52	17.41626816	78.41884522
53	17.41618747	78.41911565
54	17.41613238	78.41940424
55	17.41614438	78.41971564
56	17.41624416	78.41998897
57	17.41635924	78.42024112
58	17.41644145	78.42049156
59	17.4164733	78.42075552
60	17.4164154	78.42098919
61	17.41626959	78.42115282
62	17.41610078	78.4213263
63	17.41586429	78.42146234
64	17.41562966	78.42160832
65	17.41539215	78.42176588
66	17.41518372	78.42194409
67	17.41504306	78.4221894
68	17.41492379	78.42244118
69	17.41480937	78.42269873
70	17.41470127	78.42296059
71	17.4146065	78.42322956
72	17.41452891	78.42350422
73	17.41446854	78.42378531
74	17.41443867	78.42407503
75	17.41446637	78.42436552
76	17.41455013	78.42463989
77	17.41467059	78.42489687
78	17.41480961	78.42514249
79	17.41502166	78.4253142
80	17.41526038	78.42545322
81	17.41551663	78.42556915
82	17.41577295	78.42566157
83	17.41601871	78.42575569
84	17.41625004	78.42586966
85	17.41646872	78.42601321
86	17.41666351	78.42617774
87	17.41682579	78.42635157
88	17.41698448	78.42656436
89	17.41712368	78.42678266
90	17.41722701	78.42700192
91	17.41738142	78.42727707
92	17.41752975	78.42751529

93	17.41763964	78.42773928
94	17.41768723	78.42788971
95	17.4176652	78.42809452
96	17.41760856	78.42835952
97	17.41751656	78.42861712
98	17.41751924	78.42896452
99	17.41779219	78.42908735
100	17.41806926	78.42918929
101	17.41840308	78.42922597
102	17.41865682	78.42921504
103	17.41892445	78.4292171
104	17.41924765	78.42914011
105	17.4194983	78.42901617
106	17.41971339	78.42893466
107	17.41990932	78.42890127
108	17.42017288	78.42890817
109	17.42046367	78.42891329
110	17.42080942	78.42883495
111	17.42105603	78.42870321
112	17.42130229	78.42857649
113	17.42159742	78.42837749
114	17.42179431	78.42815057
115	17.42194928	78.42792719
116	17.42210746	78.42771149
117	17.42228577	78.42749137
118	17.42245196	78.42726176
119	17.4226042	78.42701946
120	17.42274263	78.42674374
121	17.42283373	78.42649003
122	17.42290412	78.42622108
123	17.422961	78.42593196
124	17.42299795	78.4256806
125	17.42308565	78.42541658
126	17.4231804	78.4251521
127	17.42327483	78.42488719
128	17.42336821	78.42462192
129	17.42346076	78.42435852
130	17.42355825	78.42409414
131	17.42365268	78.42382977
132	17.42374709	78.42356539
133	17.42384156	78.4233009

134	17.42393627	78.42303794
135	17.42403567	78.42277567
136	17.42413555	78.42251356
137	17.4242355	78.42225127
138	17.42433547	78.42198951
139	17.42443673	78.42172783
140	17.42453766	78.42146423
141	17.4246316	78.42120128
142	17.424728	78.42093776
143	17.42482451	78.42067408
144	17.42492096	78.42041023
145	17.42501674	78.42014591
146	17.42511123	78.41988162
147	17.42520801	78.4196185
148	17.42530793	78.41935617
149	17.42540634	78.41909291
150	17.42550632	78.41883087
151	17.42559447	78.41856641
152	17.42568897	78.41830832
153	17.42580759	78.4180636
154	17.425815	78.41471
155	17.426033	78.417243
156	17.425053	78.414843
157	17.424786	78.414483

ANNEXURE–III

Performa of Action Taken Report:-

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (Mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.
KUMER CHAND MEENA Digitally signed by KUMER CHAND MEENA Date: 2020.10.29 20:17:52 +05'30'